अंक योजना **अति गोपनीय** **(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)** **सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)** **विषय – सामाजिक विज्ञान (087)** **(पेपर कोड– 32/1/1)**	
सामान्य निर्देश:-	
1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।

7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।
8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँ: • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.

19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

MARKING SCHEME
Social Science (Subject Code- 087)
(PAPER CODE: 32/1/1) 2026

Set 1

अधिकतम अंक 80

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्य बिंदू	पृष्ठ संख्या	अंक
	खंड क **इतिहास**		***20***
1.	(C) II, IV, I और III	**31, 32, 40 & 44**	**1**
2.	(A) दोनों, (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।	**55**	**1**
3.	(D) राजा रवि वर्मा **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (D) पंजाब	**123** **125**	**1** **1**
4.	(C) बाल गंगाधर तिलक- केसरी	**127**	**1**
5.	**(A) सोलहवीं शताब्दी से पहले भूमंडलीकरण किस प्रकार शुरू हुआ था? स्पष्ट कीजिए।** (i) भूमंडलीकरण की शुरुआत मुख्य रूप से सिल्क रूट (रेशम मार्ग) के माध्यम से हुई। (ii) भूमंडलीकरण व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से फैला। (iii) सिल्क मार्ग दूर-दराज़ क्षेत्रों के बीच होने वाले प्राचीन व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क का एक अच्छा उदाहरण है। (iv) इतिहासकारों ने कई सिल्क मार्गों की पहचान की है, जो स्थल मार्ग और समुद्री मार्ग दोनों से जुड़े थे। ये मार्ग एशिया के विशाल क्षेत्रों को आपस में जोड़ते थे और एशिया को यूरोप तथा उत्तरी अफ्रीका से भी जोड़ते थे। (v) प्रारंभिक ईसाई मिशनरी इसी मार्ग से एशिया पहुँचे, और कुछ सदियों बाद प्रारंभिक मुस्लिम उपदेशक भी इसी मार्ग से यात्रा करते थे। (vi) इससे भी बहुत पहले, बौद्ध धर्म का उद्भव पूर्वी भारत में हुआ और यह सिल्क मार्ग के विभिन्न शाखाओं के माध्यम से कई दिशाओं में फैल गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।** **अथवा** **(B) पूर्व-आधुनिक विश्व में व्यापार ने बीमारियों को फैलाने में किस प्रकार मदद की? स्पष्ट कीजिए।** (i) स्पेनिश विजेताओं के सबसे शक्तिशाली हथियारों में परंपरागत किस्म के सैनिक हथियार नहीं थे । यह हथियार चेचक जैसे कीटाणु थे जो स्पेनिश सैनिकों और अफसरों के साथ वहां जा पहुंचे थे ।	**54**

	(ii) लाखों साल से दुनिया से अलग थलग रहने के कारण अमेरिका के लोगों के शरीर में यूरोप से आने वाली इन बीमारियों से बचने की रोग प्रतिरोधी क्षमता नहीं थी। (iii) फलस्वरूप इस नए स्थान पर चेचक एक बहुत मारक साबित हुई। एक बार संक्रमण शुरू होने के बाद तो यह बीमारी पूरे महाद्वीप में फैल गई। (iv) जहाँ यूरोपीय लोग नही पहुंचे थे वहां के लोग भी इसकी चपेट में आने लगे । इसने पूरे -के -पूरे समुदायों को ख़त्म कर डाला और इस तरह घुसपैठियों की जीत का रास्ता आसान होता चला गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
6.	**(A) यूरोप में मुद्रण संस्कृति के प्रसार में योहान गुटेनबर्ग की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) गुटेनबर्ग ने पत्थर पर पॉलिश लरने की कला सीखी फिर सुनारी और फिर आभूषण बनाने के साँचे (मोल्ड) तैयार करने का ज्ञान भी प्राप्त किया। (ii) अपने इस ज्ञान और अनुभव का इस्तेमाल अपने नये आविष्कार में किया। (iii) उन्होंने जो पहली पुस्तक छापी, वह बाइबिल थी और इसकी 180 प्रतियाँ छापी गईं। (iv) मुद्रण प्रेस का विकास हुआ और यूरोप में पुस्तकों का उत्पादन तेजी से बढ़ा। (v) उनकी इस खोज ने मुद्रण क्रांति (प्रिंट रिवोल्यूशन) को जन्म दिया। (vi) प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन और पढ़ने का जूनून (रीडिंग मेनिया) मुद्रण क्रांति के महत्वपूर्ण परिणाम थे। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा**	**109**	**3x1= 3**
	(B) प्रोटेस्टेंट धर्म-सुधार आंदोलन के विस्तार में मुद्रण की भूमिका की व्याख्या कीजिए। (i) धर्म सुधारक मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की आलोचना करते हुए अपनी 'पिच्चानवे स्थापनाएँ' लिखी। (ii) इसकी एक छपी प्रति विटेनबर्ग के गिरिजाघर के दरवाज़े पर टांगी गई । इसमें लूथर ने चर्च को शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दी थी । (iii) अचानक लूथर के लेख बड़ी तादात में छपे और पढ़े जाने लगे । (iv) इसके परिणामस्वरूप चर्च में विभाजन हो गया और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार की शुरुआत हुई । (v) कुछ ही हफ़्तों में न्यू टेस्टामेंट के अनुवाद की बहुत सी प्रतियाँ बिक गईं, और तीन महीने के अंदर दूसरा संस्करण निकालना पड़ा । (vi) छपाई ने एक नया बौद्धिक माहौल बनाया और इससे धर्म सुधार आन्दोलन के नए विचारों के प्रसार में मदद मिली । (vii) मुद्रण के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लूथर ने कहा, "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा है ।"	**112**	**3x1= 3**

	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
7.	**(A) "ब्रिटिश राष्ट्र-राज्य का गठन शेष यूरोप से अलग था।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइये।** (i) ब्रिटेन में राष्ट्र-राज्य का निर्माण अचानक हुई, कोई उथल-पुथल या क्रांति का परिणाम नहीं था। यह एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया का परिणाम था। अठारहवीं शताब्दी से पहले कोई ब्रिटिश राष्ट्र अस्तित्व में नहीं था। (ii) ब्रितानी द्वीपसमूह में रहने वाले लोगों – अंग्रेज़, वेल्श, स्कॉट या आयरिश – की मुख्य पहचान नृजातीय (Ethnic) थी । (iii) एक लम्बे टकराव और संघर्ष के बाद आंग्ल संसद ने राजतंत्र से ताकत छीन ली। इस संसद के माध्यम से एक राष्ट्र-राज्य का निर्माण हुआ। इसके केंद्र में इंग्लैंड था । (iv) इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच एक्ट ऑफ यूनियन से 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन' का गठन हुआ। इससे इंग्लैंड व्यवहार में स्कॉटलैंड पर अपना प्रभुत्त्व जमा पाया। (v) आयरलैंड का भी कुछ ऐसा ही हश्र हुआ । वह देश कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट धार्मिक गुटों में गहराई में बंटा हुआ था। (vi) अंग्रेजों ने आयरलैंड में प्रोटेस्टेंट धर्म मानने वालों को बहुसंख्यक कैथलिक देश पर प्रभुत्व बढ़ाने में सहायता की। (vii) वुल्फ टोन (Wolfe Tone) और उसकी यूनाइटेड आयरिशमेन की अगुआई में हुए असफल विद्रोह के बाद 1801 में आयरलैंड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया। (viii) नए ब्रिटेन के प्रतिकचिन्हों- ब्रितानी झंडा (यूनियन जैक) और राष्ट्रीय गान (गॉड सेव अवर नोबल किंग) को खूब बढ़ावा दिया गया और पुराने राष्ट्र इस संघ में मातहत सहयोगी के रूप में ही रह पाए। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी भी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।** **अथवा** **(B) "यूरोप में उन्नीसवीं सदी के शुरुआती दशकों में राष्ट्रीय एकता से संबंधित विचार उदारवाद से करीब से जुड़े थे।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइये।** (i) उदारवाद (liberalism) शब्द लातिन भाषा के मूल *Liber* पर आधारित है, जिसका अर्थ है 'आज़ाद'। (ii) नए मध्य वर्ग के लिए उदारवाद का मतलब था व्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष सभी की समानता। (iii) राजनीतिक रूप से, उदारवाद एक ऐसी सरकार पर जोर देता था जो सहमती से बनी हो । (iv) फ्रांसीसी क्रांति के बाद से उदारवाद निरंकुश शासक और पादरी वर्ग के विशेषाधिकारों की समाप्ति, संविधान और संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था।	**21, 22**

	(v) क्रांतिकारी फ्रांस उदारवादी प्रजातंत्र का पहला राजनितिक प्रयोग था और वहां मत देने और चुने जाने का अधिकार केवल सम्पत्तिवान पुरुषों को ही हासिल था। (vi) सम्पत्तिविहीन पुरुष और सभी महिलाओं को राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखा गया था । केवल थोड़े समय के लिए जैकोबिन शासन के समय सभी वयस्क पुरुषों को मताधिकार प्राप्त था। (vii) आर्थिक क्षेत्र में उदारवाद, बाज़ारों की मुक्ति और चीज़ों तथा पूँजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाये गए नियंत्रणों को ख़त्म करने के पक्ष में था। (viii) इन विचारों के परिणामस्वरूप जॉलवेराइन (Zollverein) नामक संस्था का गठन हुआ, जो एक सीमा-शुल्क संघ (Custom Union) था। यह आर्थिक उदारवाद का प्रतीक था। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी भी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
8.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** *"**क्रांति की इस पूजा-वेदी पर हम अपना यौवन नैवेद्य के रूप में लाए हैं**"* *बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता था। 1928 में दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला मैदान में हुई बैठक में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना की गई। इस बैठक में कई नौजवान नेता, जिनमें भगत सिंह आदि भी शामिल थे। देश के विभिन्न भागों में क्रांतिकारियों के एच.एस.आर.ए. ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन को विस्तार दिया।* *1929 में जब सिंह और उनके सहयोगी बटुकेश्वर दत्त ने सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका तो उसी साल उस वक्त उड़ान पर उड़ान का आयोजन किया जिसमें लार्ड इरविन यात्रा कर रहे थे। जिस समय भगत सिंह पर मुकदमा चला और उन्हें फांसी दी गई उस समय उनकी उम्र केवल 23 वर्ष थी। अपने मुकदमे के दौरान भगत सिंह ने कहा था कि बम और पिस्तौल क्रांति नहीं करते, बल्कि क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है।* *"क्रांति मानवजाति का जन्मसिद्ध अधिकार है जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। श्रमिक वर्ग ही समाज का वास्तविक पोषक है। जनता की सर्वोच्च सत्ता की स्थापना श्रमिक वर्ग का अंतिम लक्ष्य है। इन आदर्शों के लिए और इस विश्वास के लिए हमें जो भी दंड दिया जाएगा, हम उसका सहर्ष स्वागत करेंगे। क्रांति ही इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सकती है। क्रांति के इस पावन ध्येय के लिए हम अपने यौवन का नैवेद्य समर्पित करते हैं।"* **8.1 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' का गठन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है? 1** (i) बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता। (ii) इससे युवा क्रांतिकारियों के नए नेतृत्व का उदय हुआ। (iii) इसने राष्ट्रवादी भावना के प्रसार में सहायता की। (iv) इसने राष्ट्रीय भावनाओं को प्रोत्साहित किया और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। (v) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **8.2 भगत सिंह के मुक़दमे के भाषणों ने उन्हें एक क्रांतिकारी से स्वतंत्रता के दार्शनिक में कैसे बदल दिया? 1** (i) भगत सिंह ने कहा था कि वे 'बम और पिस्तौल' की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रांति चाहते हैं। (ii) भगत सिंह की व्यापक दृष्टि समाज, राजनीति और संस्कृति के क्षेत्रों में परिवर्तन लाने वाली थी।	**41**	**1+1+2 =4**

	(iii) वे समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना चाहते थे। (iv) उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रवाद का महिमामंडन किया। (v) उनके भाषणों में स्वतंत्रता, न्याय और सामाजिक समानता के विचारों की चर्चा होती थी, जो स्वतंत्रता से जुड़े दार्शनिक विचारों को व्यक्त करते थे। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **8.3 भगत सिंह ने अपनी पीढ़ी के लिए 'क्रांति' के अर्थ को किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया? स्पष्ट कीजिए। 2x1=2** (i) वह मानते थे कि क्रांति मनुष्य का अहरणीय अधिकार है। (ii) वह मानते थे कि स्वतंत्रता मानवजाति का अपरिहार्य जन्मसिद्ध अधिकार है। (iii) वे चाहते थे कि युवा राष्ट्र की स्वतंत्रता के उद्देश्य के लिए त्याग करें। (iv) वे क्रांति की कामना करते थे । (v) 'इंक़लाब ज़िंदाबाद!' का नारा भारतीयों में स्वतंत्रता की भावना जगाने के लिए इस्तेमाल किया गया। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
9.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें ।)** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है :** **A. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 13 अप्रैल, 1919 को जनरल डायर ने एक शांतिपूर्ण सभा पर गोली चलाने के आदेश दिए थे।** जलियाँवाला बाग/अमृतसर **B. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सन् 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।** मद्रास/चेन्नई	**32**	**1+1=2** **1** **1**
	खंड ख **भूगोल**		***20***
10.	(B) लैटराइट मृदा	**9**	**1**
11.	(C) उत्तराखंड	**16**	**1**
12.	(C) I -(c), II-(d), III-(a), IV-(b)	**30, 31**	**1**
13.	(C) अलौह खनिज	**43, 44**	**1**
14.	(D) भौतिक और मानवीय कारक	**4**	**1**

15.	(B) मानस – असम	**15**	**1**
16.	**बेहतर उत्पादकता और जैविक खेती के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) जैविक खाद और कंपोस्ट का उपयोग मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है। (ii) फसलों को प्राकृतिक रूप से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। (iii) विभिन्न फसलों को क्रमबद्ध रूप से उगाना, कीटों की समस्या कम करता है। (iv) जैविक कीट नियंत्रण प्राकृतिक और जैविक कीटनाशकों के द्वारा बिना हानिकारक रसायनों के प्रयोग से फसलों की रक्षा करता है । (v) फसल चक्र के उपयोग से मृदा की उत्पादकता में वृद्धि करना । (vi) ड्रिप सिंचाई का उपयोग करना। (vii) मेंढ़ बनाना । (viii)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**	**38**	**2x1=2**
17.	**(A) "ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों के साथ न्यायसंगत ठहराइये।** (i) जब हम बिजली बचाते हैं, तो बिजली घरों में कम विद्युत उत्पादन करना पड़ता है। अतः ऊर्जा की बचत नए ऊर्जा का उत्पादन करने के समान है। (ii) कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसी ऊर्जा संसाधन सीमित हैं। ऊर्जा बचाकर हम इन मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। (iii) ऊर्जा संरक्षण बिजली उत्पादन की लागत को कम करता है और देश के पैसे की बचत करता है। (iv) ऊर्जा बचाना बिजली संयंत्रों पर दबाव कम करता है और बिजली की कमी से बचाता है। (v) सरल आदतें जैसे -इस्तेमाल में नहीं होने पर लाइट, पंखे और इलेक्ट्रिक उपकरण बंद करना, बड़ी मात्रा में ऊर्जा बचा सकती है। (vi) ऊर्जा संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हर बचाई गई ऊर्जा की इकाई नए ऊर्जा के उत्पादन के बराबर होती है। (vii)ऊर्जा बचाने के कुछ उपाय हैं - a) ऊर्जा की बचत करने वाले उपकरणों का उपयोग करना। b) सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग। c) साझा वाहन प्रयोग। (viii)हमें अपनी सीमित ऊर्जा संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। (ix) गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव सतत् विकास की ओर ले जाएगा। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा** **(B) "आधुनिक विश्व में विद्युत के अनुप्रयोग इतने ज्यादा विस्तृत हैं कि इसके प्रति व्यक्ति उपयोग को विकास का सूचकांक माना जाता है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों के साथ न्यायसंगत ठहराइये।**	**55**

	(i) औद्योगिक विकास के लिए बिजली का उपयोग मशीनों और उपकरणों को चलाने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है, जैसे लोहा और इस्पात, वस्त्र, रसायन और प्रौद्योगिकी उद्योग में। (ii) बिजली का उपयोग सिंचाई पंप, ट्यूबवेल और कृषि यंत्रों को चलाने में किया जाता है, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है। (iii) घरों में बिजली का उपयोग प्रकाश, तापन, शीतलीकरण, खाना पकाने और विद्युत उपकरणों को चलाने के लिए किया जाता है। (iv) कई आधुनिक परिवहन प्रणाली जैसे विद्युत ट्रेन और मेट्रो रेल बिजली पर निर्भर करती हैं। (v) दूरसंचार नेटवर्क, टेलीविजन, रेडियो, कंप्यूटर और इंटरनेट सेवाओं के लिए बिजली अनिवार्य है। (vi) कार्यालय, बाजार, बैंक, होटल और खरीदारी केंद्र जैसी व्यवसायिक गतिविधियों के लिए दैनिक संचालन में बिजली आवश्यक है। (vii) स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और प्रयोगशालाएँ प्रकाश, उपकरण और तकनीक के लिए बिजली पर निर्भर हैं। (viii) बिजली की अधिक उपलब्धता और उपयोग लोगों की सुविधा, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
18.	***दिए गए स्रोतों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :*** ***बाढ़*** ***बाढ़ के समय लिए जाने वाले महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपाय :*** • *मौसम के ताजा बुलेटिन और बाढ़ की चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें। यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ।* • *एक प्राथमिक आपातकालीन किट तैयार रखें, जिसमें पोर्टेबल रेडियो/टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियाँ, प्राथमिक उपचार बॉक्स व आवश्यक दवाइयाँ, ओआरएस, सूखा भोजन, पीने का पानी, मोमबत्तियाँ, माचिस और अन्य जरूरी सामान शामिल हों।* • *अपने घर में हरिकेन लैम्प, रस्सियाँ, रबड़ ट्यूब, छाता और बाँस की छड़ी रखें। ये उपयोगी हो सकते हैं।* • *नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें।* • *बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें।* • *घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें।* ***बाढ़ के दौरान*** • *बाढ़ के पानी में प्रवेश न करें, यह खतरनाक हो सकता है।* • *बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके आसपास न खेलने दें।* • *सीवर लाइन, नालियों, ड्रेनों और कलवर्ट्स से दूर रहें।* • *साँपों से सावधान रहें, बाढ़ के समय साँप के काटने की घटनाएँ आम होती हैं।* • *बिजली के खंभों और गिरी हुई तारों से दूर रहें ताकि करंट से बचा जा सके।* • *गीले विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें, उपयोग से पहले उनकी जाँच कराएँ।* • *ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ। भोजन को हमेशा ढककर रखें।* • *उबला और छना हुआ पानी ही पिएँ।* • *घर के आसपास की नालियाँ और गटर साफ रखें।* • *पानी का जमाव मच्छरों और जल-जनित बीमारियों को जन्म दे सकता है। बीमार पड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।* • *आसपास की सफाई और कीटाणुनाशन के लिए ब्लीचिंग पाउडर और चूने का उपयोग करें।* **18.1 बाढ़ के बाद पानी का उपयोग करने से पहले कोई एक सावधानी**	**25**	**1+1+2 =4**

	सुझाइए। **1** (i) पानी पीने से पहले उबालें। (ii) छना हुआ पानी पिएँ। (iii) पानी को कीटाणु-मुक्त करें। (iv) साफ और ढके हुए बर्तन का उपयोग करें। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिन्दु का उल्लेख करना अपेक्षित है ।** **18.2 बाढ़ के दौरान खाद्य सामग्री सुरक्षा संबंधित किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए।** **½ + ½ = 1** (i) ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ। (ii) हमेशा अपने भोजन को ढँक कर रखें। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो का उल्लेख करना अपेक्षित है ।** **18.3 बाढ़ की चेतावनी के दौरान घर से निकलने से पहले के कोई दो उपाय सुझाइए।** **2x1=2** (i) मौसम के ताज़ा बुलेटिन और बाढ़ चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें। (ii) एक पारिवारिक आपातकालीन किट तैयार रखें। (iii) यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ। (iv) नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें। (v) बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें। (vi) घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
19.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें।)** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है। किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए **:** **19.1 उस बांध का नाम लिखिए जो महानदी पर स्थित है।** -हीराकुड बाँध **19.2 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है।** -नरोरा **19.3 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महाराष्ट्र में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है।** -पुणे/ मुंबई		**1+1+1 =3** **1** **1** **1**

	19.4 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गुजरात में प्रमुख समुद्री पत्तन अवस्थित है। -कांडला		**1**
	खंड ग **राजनीति विज्ञान**		***20***
20.	(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है **।**	**2**	**1**
21.	(C) बहु-कार्य और समर्पण **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (C) नारीवाद	**31** **32**	**1** **1**
22.	(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	**54 -56**	**1**
23.	(B) I, III और IV सही हैं।	**24**	**1**
24.	**संघवाद की किन्हीं दो विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) संघवाद में सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती हैं। (ii) अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं पर कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का उनका अपना-अपना अधिकार-क्षेत्र होता है। (iii) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं इसलिए, संविधान सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा देता है । (iv) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती । ऐसे बदलाव दोनों स्तर की सरकारों की सहमती से ही हो सकते हैं । (v) अदालतों को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है। (vi) वित्तीय स्वायत्तता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों के लिए राजस्व के अलग-अलग स्रोत निर्धारित हैं । (vii) इस प्रकार संघीय शासन की व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य हैं: देश की एकता की सुरक्षा करना और उसे बढ़ावा देना तथा इसके साथ ही क्षेत्रीय विविधता का पूरा सम्मान करना। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**	**15**	**2x1=2**
25.	**भारत को पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने वाले किन्हीं दो संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।** (i) भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नही किया है। (ii) संविधान सभी नागरिकों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आजादी देता है। (iii) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है।	**37, 38**	**2x1=2**

	(iv) संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता है। जैसे वह छुआछूत की इजाज़त नही देता । (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
26.	**"लोकतंत्र में राजनीतिक दल अनेक कार्य करते हैं।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं। (ii) राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को रखते हैं। (iii) वे तरह-तरह के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक समेट लाते हैं। सरकार प्रायः शासकदल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती हैं। (iv) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। (v) पार्टियाँ नेताओं को चुनती हैं, उनको प्रशिक्षित करती हैं और उन्हें मंत्री बनाती हैं ताकि वे सरकार चला सकें। (vi) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं । सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते हैं। विपक्षी दल सरकार के खिलाफ आम जनता को भी गोलबंद करते हैं । (vii) जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । वे मुद्दों को उठाते हैं और उनपर बहस करते हैं। समाज के विभिन्न वर्गों में उनके मित्र संगठन या दबाव समूह भी काम करते रहते हैं । (viii) राजनीतिक दल ही सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाये जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**	**48, 49**	**3x1=3**
27.	**(A) "जवाबदेही, जिम्मेदारी और वैधता का मेल लोकतांत्रिक सरकार की नींव बनाता है।" इस कथन की परख कीजिए।** (i) लोकतंत्र सुनिश्चित करता है कि नागरिकों के पास अपने प्रतिनिधियों को चुनने और चुनावों में भाग लेकर शासकों को नियंत्रित करने की शक्ति हो। (ii) लोकतंत्र का एक मूल परिणाम यह है कि सरकार नागरिकों के प्रति जवाबदेह होती है। (iii) नागरिक निर्णयों पर सवाल उठा सकते हैं, और निर्णय लेने से पहले प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। (iv) लोकतांत्रिक सरकारें लोगों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील होने का प्रयास करती हैं। (v) नागरिकों के पास यह अधिकार और साधन हैं कि वे यह जांच सकें कि निर्णय कैसे लिए जा रहे हैं, इससे सरकार की कार्यवाहियाँ पारदर्शी बनी रहती हैं। (vi) लोकतंत्र संस्थाएँ और प्रक्रियाएँ विकसित करता है जो नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने का अवसर देती हैं।	**65, 66**	**5x1=5**

	(vii) लोकतंत्र को वैध सरकार माना जाता है क्योंकि यह लोगों की चुनी हुई अपनी सरकार होती है। (viii) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, खुली सार्वजनिक बहस, और नागरिकों का सूचना प्राप्त करने का अधिकार जैसी प्रथाएँ सरकार की जवाबदेही, संवेदनशीलता और वैधता को मजबूत करती हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है।** **अथवा** **(B) "नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता लोकतंत्र का सार है।" इस कथन की परख कीजिए।** (i) लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है । (ii) सम्मान और स्वतंत्रता के प्रति जुनून लोकतंत्र की आधारशिला हैं। (iii) महिलाओं के साथ गरिमा और समानता का व्यवहार लोकतंत्र की ज़रूरी शर्त है। (iv) भारत में लोकतान्त्रिक व्यवस्था ने कमज़ोर और भेदभाव का शिकार हुए लोगों के सामान दर्जे और सामान अवसर के दावे को बल दिया है। (v) इसी अहसास के चलते आम लोग अपने लोकतान्त्रिक अधिकारों के प्रति ज्यादा चौकस हुए हैं । (vi) यह लोगों के प्रजा से नागरिक बनने की गवाही भी देता है। (vii) यह मतभेदों के समाधान का तरीका प्रदान करता है। (viii) यह नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है। (ix) लोकतंत्र नागरिकों के अधिकारों की गारंटी देता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है ।**	**71, 72**	**5x1=5**
28.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **सत्ता की भागीदारी** *सत्ता के बँटवारे का एक रूप हम विभिन्न प्रकार के दबाव समूह और आंदोलनों द्वारा शासन को प्रभावित और नियंत्रित करने के तरीके में भी लक्ष्य कर सकते हैं। लोकतंत्र में लोगों के सामने सत्ता के दावेदारों के बीच चुनाव का विकल्प ज़रूर रहना चाहिए। समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में यह विकल्प विभिन्न पार्टियों के रूप में उपलब्ध होता है। पार्टियाँ सत्ता के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करती हैं। पार्टियों की यह आपसी प्रतिद्वंद्विता ही इस बात को सुनिश्चित कर देती है कि सत्ता एक व्यक्ति या समूह के हाथ में न रहे। एक बड़ी समयावधि पर गौर करें तो पाएँगे कि सत्ता बारी-बारी से अलग-अलग विचारधारा और सामाजिक समूहों वाली पार्टियों के हाथ आती-जाती रहती है। कई बार सत्ता की यह भागीदारी एकदम प्रत्यक्ष दिखती है क्योंकि दो या अधिक पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ती हैं या सरकार का गठन करती हैं। लोकतंत्र में हम व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों को भी सक्रिय देखते हैं। सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करके या नीतियों पर अपने सदस्य वर्ग के लाभ के लिए दबाव बनाकर ये समूह भी सत्ता में भागीदारी करते हैं।*	**9**	**1+1+2 =4**

	28.1 दबाव समूह सरकार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? 1 (i) दबाव समूह सरकारी समितियों में विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। (ii) ये जनता में विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं। (iii) ये निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **28.2 सत्ता की साझेदारी में सामाजिक समूह किस प्रकार लाभान्वित होते है? 1** (i) विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे भाषाई और सांस्कृतिक समूहों के हितों की सुरक्षा। (ii) अल्पसंख्यकों का उचित प्रतिनिधित्व। (iii) मतभेदों का कम होना । (iv) स्थिरता सुनिश्चित करता है। (v) सामाजिक रूप से कमज़ोर वर्ग और महिलाएँ विधानमंडल और प्रशासन में प्रतिनिधित्व पाती हैं । (vi) हमारे देश की राज्य विधानसभाओं और संसद में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की प्रणाली सरकार में विविध सामाजिक समूहों जो स्थान देती है । (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (viii) **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **28.3 सत्ता की साझेदारी में नागरिकों के योगदान की व्याख्या कीजिए। 2x1=2** (i) सरकारी समितियों और शाखाओं में भाग लेकर। (ii) निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित कर। (iii) हित समूहों या नागरिक समाज संगठनों में भाग लेकर। (iv) सरकार की गतिविधियों की निगरानी करके। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
	खंड घ **अर्थशास्त्र**		***20***
29.	(C) 82	**12**	**1**
30.	(C) a-(iii), b-(iv), c-(ii), d-(i)	**33, 34**	**1**
31.	(B) नजदीकी राष्ट्रीयकृत बैंक	**43**	**1**
32.	(C) व्यापार पर से प्रतिबंध हटाना	**64**	**1**
33.	(D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम	**13**	**1**
34.	(A) 7 वर्ष	**10**	**1**

35.	**"नई प्रौद्योगिकी ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों द्वारा न्यायसंगत ठहराइये।** (i) प्रौद्योगिकी में तेजी से सुधार ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया है। (ii) परिवहन प्रौद्योगिकी में सुधार ने लंबी दूरी पर वस्तुओं की शीघ्र वितरण को कम लागत में संभव बनाया। (iii) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में विकास, विशेष रूप से दूरसंचार, कंप्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है एवम जानकारियों तक त्वरित पहुँच बनाने में मदद करती है। (iv) इसका उपयोग दुनिया भर में एक-दूसरे से संपर्क करने, जानकारी तुरंत प्राप्त करने और दूरदराज़ के क्षेत्रों से संवाद करने के लिए किया जाता है। (v) उपग्रह संचार उपकरणों ने वैश्विक संचार और जानकारी साझा करने को आसान बनाया है। (vi) कंप्यूटर अब लगभग हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जिससे सूचना प्रबंधन और संचार आसान हो गया है। (vii) इंटरनेट हमें लगभग किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त करने और साझा करने, तुरंत इलेक्ट्रॉनिक डाक(e-mail) भेजने और दुनिया भर में वाणी संदेश (voice-mail) या संवाद करने की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी लागत नगण्य होती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**62, 63**	**3x1=3**
36.	**ऋण की औपचारिक और अनौपचारिक साखों में अंतर स्पष्ट कीजिए ।**	**48, 49**	**3x1=3**

औपचारिक ऋण के साख	**अनौपचारिक ऋण के साख**
(i) भारतीय रिज़र्व बैंक औपचारिक ऋण स्रोतों के कार्यों की निगरानी करता है।	(i) अनौपचारिक ऋण स्रोतों की निगरानी करने वाला कोई संगठन नहीं होता है ।
(ii) ये स्रोत कम ब्याज दर पर ऋण देते हैं।	(ii) ये स्रोत अधिक ब्याज दर पर ऋण देते हैं।
(iii) इससे कर्ज लेने की लागत कम होती है।	(iii) इससे कर्ज लेने की लागत अधिक होती है।
(iv) इसमें कर्ज़ के जाल में फँसने की संभावना कम होती है।	(iv) इसमें कर्ज़ के जाल में फँसने की संभावना अधिक होती है।
(v) औपचारिक स्रोतों में बैंक और सहकारी समितियों से मिलने वाले ऋण शामिल होते हैं।	(v) अनौपचारिक स्रोतों में साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता, रिश्तेदार और मित्र शामिल होते हैं।
(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

कोई तीन अंतर बिंदु अपेक्षित हैं ।

37.	**विकास की धारणीयता क्यों आवश्यक है ? उदहारण सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) सतत् विकास पर्यावरण के अनुकूल आर्थिक विकास है। (ii) भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। (iii) संसाधनों का उपयोग उनकी उपलब्धता के अनुसार किया जाना चाहिए। (iv) सतत् और विवेकपूर्ण तरीके से वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए। (v) सतत् विकास के लिए वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक मिलजुल कर काम कर रहे हैं। (vi) भूमिगत जल नवीकरणीय साधन का उदाहरण है। फसल और पौधों की तरह इन साधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है। (vii) हम सब का भविष्य तेजी से समाप्त हो रहे संसाधनों से जुड़ा है । (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है ।**	**14, 15, 16**	**3x1=3**
38.	**(A) ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए।** (i) केंद्र सरकार ने काम का अधिकार लागू करने के लिए एक कानून बनाया है। (ii) इसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (MGNREGA 2005) कहा जाता है।अब इसका नाम बदल कर विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 (VB-G RAM G Act, 2025) कर दिया गया है। (iii) मनरेगा 2005 के अंतर्गत उन सभी लोगों , जो काम करने में सक्षम हैं और जिन्हें काम की आवश्यकता है,को सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष में 100 दिन के रोज़गार की गारंटी दी गई है । (iv) सरकार की यह ज़िम्मेदारी है कि वह रोज़गार उपलब्ध कराए अन्यथा वह लोगों को बेरोजगारी भत्ता देगी। (v) इस अधिनियम के तहत उस तरह के कामों को वरीयता दी जाएगी जिसमें भविष्य में भूमि से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। (vi) विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 (VB-G RAM G Act, 2025) के अंतर्गत 125 दिन की रोज़गार की गारंटी दी गई है। (vii) रोजगार बढ़ाने के लिए कृषि का विकास किया गया है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्ही पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।** **OR** **(B) भारत में तृतीयक क्षेत्रक के बढ़ते महत्त्व का वर्णन कीजिए।** (i) 1973–74 से 2013–14 तक के चालीस वर्षों में यद्यपि सभी क्षेत्रकों में सकल घरेलु उत्पादन के हिस्सेदारी में वृद्धि हुई परन्तु सबसे अधिक वृद्धि तृतीयक क्षेत्रक में हुई । (ii) भारत में प्राथमिक क्षेत्रक को प्रतिस्थापित करते हुए तृतीयक क्षेत्रक सबसे बड़े क्षेत्रक के रूप में उभरा।	**29** **24, 25**	**5x1=5** **5x1=5**

	(iii) किसी भी देश में अनेक सेवाओं जैसे अस्पताल, शैक्षणिक संस्थाएँ, डाक और तार सेवा, थाना, कचहरी, ग्रामीण प्रशासनिक कार्यालय, नगर-निगम, रक्षा, परिवहन, बैंक, बीमा कंपनी इत्यादि की आवश्यकता होती है। इन्हें बुनियादी सेवाएँ माना जाता है। (iv) एक विकासशील देश में इन सेवाओं के प्रबंधन की व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार उठाती है। (v) जैसे-जैसे आय बढ़ती है, कुछ लोग अन्य कई सेवाओं जैसे रेस्तरां, पर्यटन, शापिंग, निजी अस्पताल, निजी विद्यालय, व्यवसायिक प्रशिक्षण इत्यादि की मांग शुरू कर देते हैं। (vi) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित कुछ नवीन सेवाएँ महत्वपूर्ण एवम् अपरिहार्य हो गई हैं। इन सेवाओं के उत्पादन में तीव्र वृद्धि हो रही है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्ही पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**		

नोट : कृपया प्रश्न संख्या 9 और 19 के उत्तर के लिए संलग्न मानचित्र देखें ।

प्रश्न संख्या 9 और 19 के लिए मानचित्र
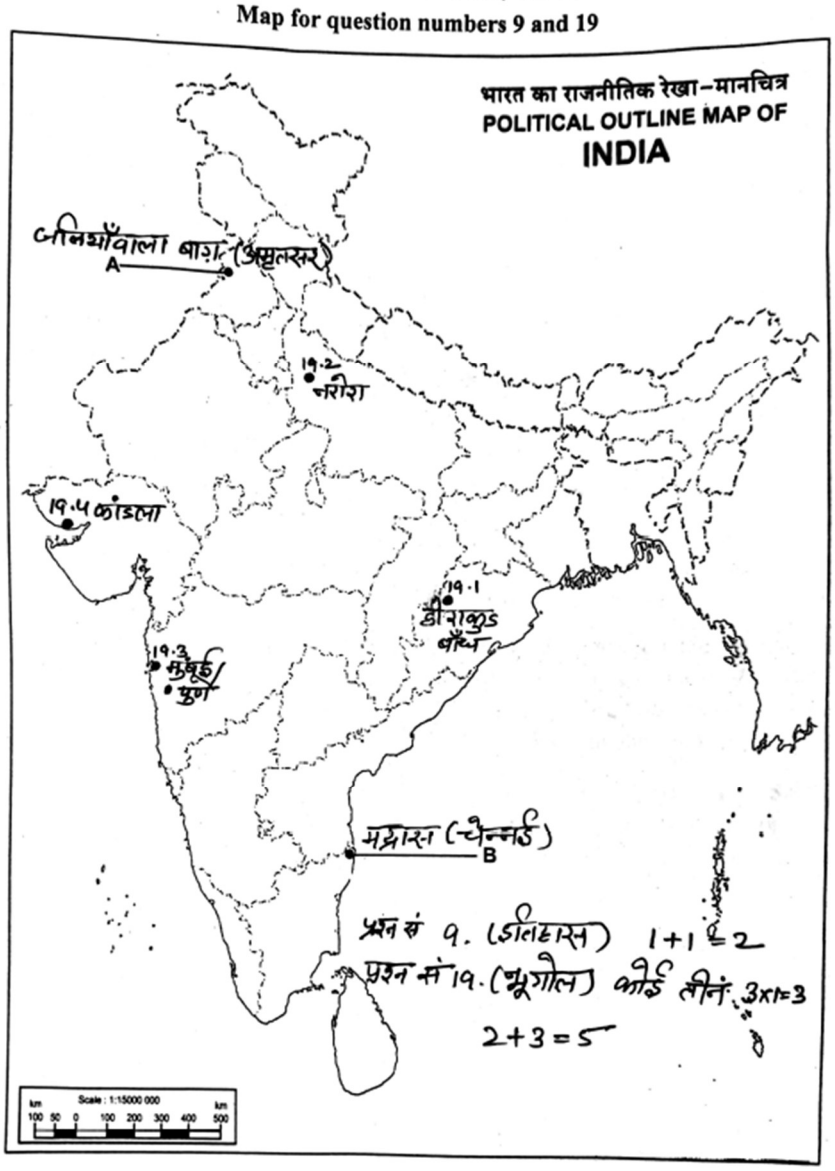
Map for question numbers 9 and 19